[Shri K. A. Rajan]

This closure step would virtually mean, throwing out students on the verge of completion of their research.

No university order was passed and yet the authorities arbitrarily changed the basic structure of the Centre.

Therefore, I urge upon the Government to put a stop to this ill-advised move to close the said Centre.

(v) NEED FOR SETTING-UP A BENCH OF ALLAHABAD HIGH COURT AT BAREILLY.

श्री हरीश कुमार गंगवार (पीलीभीत) : उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश के बरेली नगर में इलाहाबाद हाई कोर्ट की बैंच खोले जाने के लिए बरेली व उसके आसपास के 8, 10 जिलों के वकील कई दिन से हड़ताल कर के व अदालतों का बहिष्कार कर के सार्वजनिक सभायें व जुलूसों का आयोजन कर रहे हैं। सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों में पिथौरागढ़, चमोली, टेहरी, अल्मोड़ा नैनीताल के निवासियों को भी बरेली में हाई कोर्ट की बैंच स्थापित होने से अत्याधिक लाभ होगा। वकीलों व जनता की यह मांग सर्वथा उचित है। इलाहाबाद हाई कोर्ट में अठारह हजार मुकदमे अनिर्णीत पड़े रहना भी इस मांग का औचित्य सिद्ध करता है। अतः सार्वजनिक महत्व के इस प्रश्न पर मैं माननीय विधि एवं न्याय मंत्री का ध्यान आकृष्ट करते हुए बरेली में हाई कोर्ट की बैंच की स्थापना की मांग करता हूं।

(vi) REPORTED DISAPPEARANCE OF A DISTRICT AND SESSIONS JUDGE OF RAJASTHAN SINCE 16TH MARCH, 1981.

SHRI KRISHNA KUMAR GOYAL (Kota): A District and Session Judge of Rajasthan disappeared mysteriously since March 16, 1981. Shri Mangat Ram Mitruka of Jhunjhuni, who is under transfer orders, left the residence of Shri R. L. Gupta in pursuit of some persons moving outside the house in suspicious circumstances. Shri Mitruka had come to Delhi with documentary evidence to expose the corruption pre-vailing in Rajasthan judiciary. Shri Mitruka had met Chief Justice of India, on March 9 about the documents in his possession. Some suspicious persons were following Shri Mitruka around in Delhi and visited his room in Birla Mandir where he was staying. Later on he shifted to the residence of Shri R. L. Gupta, Additional District Judge, Delhi. But even at the residence of Shri Gupta, some persons were after him. On March 16, Shri Mitruka went after the persons standing outside the house of Shri Gupta in suspicious circumstances. Shri Mitruka had collected documentary evidence on corruption in the Rajasthan judiciary in his capacity as Vigilance Register of the Rajasthan High Court. In the past Shri Mitruka had received several threats to his life. His sudden mysterious disappearance has caused serious concern I request the Union Law and Home Ministers to help in tracing Shri Mitruka.

(vii) STEPS TO IMPROVE DISTANT COMMUNICATION FACILITIES IN BACKWARD DISTRICTS OF UTTAR PRADESH.

श्री हरीश चन्द्र सिंह रावत (अल्मोड़ा): उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश के आठ पर्वतीय जनपद दूरसंचार सेवाओं के संदर्भ में बहुत पिछड़े हुए हैं, जिसके कारण-स्वरूप यहां के लोगों को बहुत अधिक असुविधा का सामना करना पड़ता है :—

(1) यहां के जनपदों के मुख्यालयों को माइक्रोवेव प्रणाली द्वारा लखनऊ व देहली से जोड़ा जाना आवश्यक है, ताकि प्रदेश की व देश की राजधानी से यहां के लोगों का सीधा सम्बन्ध जुड़ सके।

(2) यहां पोस्ट आफ़िसों व पब्लिक काल-आफ़िसों को खोले जाने के संदर्भ में विभाग के वर्तमान मानकों को बदला जाना आवश्यक है, ताकि यहां अधिक से अधिक पोस्ट आफ़िस व पब्लिक काल आफ़िस खुल सकें। वर्तमान समय में कई दूरस्थ क्षेत्रों का सम्पर्क जिला व तहसील मुख्यालयों से नहीं है। इसके अभाव में न केवल वहां प्रशासन कुप्रभावित होता है, अपितु स्थानीय जनता भी इन वर्तमान सुविधाओं से प्राप्त होने वाले लाभ से वंचित रह जाती है। वहां कई क्षेत्रों में स्थानीय सब-पोस्ट आफ़िस मे डाक आने के बाद तीन दिन डाक के बंटने मे लग जाते है।

(3) अल्मोड़ा नामक स्थान मे डी ई टी का मुख्यालय खोला जाये, ताकि जिला अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ व चमोली के लोगों को सुविधा प्राप्त हो सके।

(4) संचार विभाग के इन जनपदो में कार्यरत कर्मचारियों के लिए आवासीय भवनों का निर्माण किया जाये, ताकि इन दुर्गम सुविधा-विहीन क्षेत्रों मे कर्मचारी काम कर सकें।

(5) यहां कार्यरत समस्त केन्द्रीय कर्मचारियों को पर्वतीय भत्ता दिया जाये, क्योंकि यहां की सेवा-स्थितियों को देखते हुए प्रान्तीय सरकार द्वारा अपने कर्मचारियों को पर्वतीय भत्ता दिया जाता है।

अतः उपरोक्त बिन्दुओं पर संचार मंत्री जी से निवेदन है कि वह अविलम्ब ध्यान देने की कृपा करें।

(viii) NEED FOR FERTILIZER FACTORY AT CHITTORGARH.

प्रो० निर्मला कुमारी शक्तावत (चित्तौड़गढ़): उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान जैसे औद्योगिक दृष्टि से पिछड़े प्रान्त में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों का अत्यधिक अभाव है। लम्बे समय से यह मांग की जाती रही है कि एक रसायन उर्वरक कारख़ाना सार्वजनिक क्षेत्र में यहां डाला जाये। अभी हाल ही में तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने भी इस दृष्टि से राजस्थान का दौरा किया। मान्यवर, मेरा भी निवेदन है कि राजस्थान का चित्तौड़गढ़ जिला सब तकनीकी दृष्टियों से सर्वाधिक उपयुक्त स्थान है; क्योंकि :—

(1) चित्तौड़गढ़ के पास ही उदयपुर में झामर कोटड़ा नामक स्थान मे प्रतिदिन 600 टन राक फ़ास्फ़ेट निकलता है, जो कच्चे माल के रूप मे रसायन खाद बनाने के काम आता है। देश का 96 प्रतिशत राक फ़ास्फेट राजस्थान से ही निकलता है, जिसे ढो कर दूसरे स्थान पर ले जाना पड़ता है।

(2) इस रसायन खाद के कारख़ाने के लिए पानी की अत्यधिक आवश्यकता है। राजस्थान के इसी भाग मे सरफ़ेस वाटर उपलब्ध है। घोसुण्डा नामक स्थान पर बेडच नदी पर बांध बन रहा है, इससे इस पानी को रोका जाएगा। इस सरफ़ेस वाटर का पूरा पूरा इस्तेमाल किया जा सकता है।

(3) अभी हाल ही में कोटा-चित्तौड़गढ़ ब्राडगेज लाइन मन्जूर हो गई है। अतः यदि यह रसायन उद्योग वहां होगा, तो माल को निकालने में किसी तरह की परेशानी नही पड़ेगी।

अतः इन सब बातों का ध्यान रखते हुए उद्योग मंत्रालय का ध्यान दिलाना चाहूंगी कि राजस्थान जैसे पिछड़े प्रान्त में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों का डाला जाना विकास की ओर एक महत्वपूर्ण कदम होगा। रसायन उद्योग के लिए चित्तौड़गढ़ ही सब से उपयुक्त स्थान है। इस बात का ध्यान रखा जाये।